

प्रेषक,

डी०एस० गर्बाल,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,
अर्द्ध कुम्भ मेला-2016,
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक: 2 दिसम्बर, 2015

विषय-अर्द्ध कुम्भ मेला-2016 की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत चिकित्सा उपकरण, पैथोलोजिकरण उपकरण, रिजेण्ट, चिकित्सा सामग्री, औषधि, एम्बुलेन्स एवं वाहन आदि की व्यवस्था किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-869/अ०कु०मे०/स्वा० वि०/उपकरण आदि, दिनांक 7.10.2015 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि अर्द्ध कुम्भ मेला-2016 की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत चिकित्सा उपकरण, पैथोलोजिकरण उपकरण, रिजेण्ट, चिकित्सा सामग्री, औषधि, एम्बुलेन्स एवं वाहन आदि की व्यवस्था किये जाने के सम्बन्ध में मेलाधिकारी (स्वास्थ्य), अर्द्ध कुम्भ मेला-2016, हरिद्वार द्वारा उपलब्ध कराये गये आगणन रु० 487.00 लाख (रु० चार करोड़ सत्तासी लाख मात्र) के सापेक्ष टी०ए०सी० वित्त के परीक्षणोपरान्त उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के अन्तर्गत स्वीकृत धनराशि रु० 487.00 लाख की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुये प्रथम विस्त के रूप में रु० 200 लाख (रु० दो करोड़ मात्र) आपके निर्वर्तन पर रखते हुये व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- (i) भारत सरकार से प्राप्त धनराशि की प्रथम विस्त से ही उक्त धनराशि का समायोजन सुनिश्चित करेंगे।
- (ii) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विलेख विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
- (iii) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (iv) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि की स्वीकृति गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

- (v) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुये एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित किया जाएगा।
- (vi) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (vii) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिष्ठासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (viii) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाएगा।
- (ix) आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि वित्त विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप पर कार्यदायी संस्था से एम0ओ0यू0 कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व करा लिया गया है। स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय व कार्य निश्चित समयावधि में पूर्ण किया जाय।
- (x) निर्माण कार्य का पुनरीक्षण नहीं किया जाएगा।
- (xi) आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था पूर्णरूप से उत्तरदायी होगी।
- (xii) अस्वीकृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाएगी। साथ ही यह परिवर्तन स्वीकृत धनराशि की सीमान्तर्गत ही किया जाएगा।
- (xiii) प्रश्नगत कार्य का गहन निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी किया जायेगा।

3- उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, वित्तीय हस्त पुस्तिका व बजट मैनुअल के अनुसार किया जाय।

4- इस सम्बन्ध में होने वाले व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 की अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत लेखणीक-2217-शहरी विकास-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजना-0109-हरिद्वार अर्द्ध कुम्भ मेला, 2016 हेतु अवस्थापना सुविधा की मानक मद संख्या-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जाएगा।

5- यह आदेश वित्त विभाग के अज्ञासकीय संख्या-796/XXVII(2)/2015, दिनांक 23 नवम्बर, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

6- एलॉटमेंट आई0डी0 संख्या-एस0 1512130004 एवं एच0 1512130012 दिनांक 01 दिसम्बर, 2015 के द्वारा उक्त धनराशि ऑनलाइन रूप से अवमुक्त की गई है।

भवदीय,

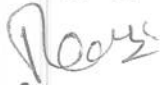
(डी0एस0 गर्ब्याल)
सचिव।

संख्या-1802(1)/IV-3/2015-04(100)/2015, तददिनांक:

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार (आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलेस, सी0-1/105, इन्दरा नगर, देहरादून।
3. प्रमुख सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
5. मेलाधिकारी, (स्वास्थ्य) अर्द्ध कुम्भ मेला-2016 हरिद्वार।
6. मुख्य विकास अधिकारी, हरिद्वार।
7. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, देहरादून।
8. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. मुख्य चिकित्सा अधिकारी, हरिद्वार।
10. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
11. वित्त अनुभाग-2
12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,


(रईस अहमद)
अनु सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20152016

Secretary, Urban Development (S054)

आवंटन पत्र संख्या - 1802/15-04(100)2015

अनुदान संख्या - 013

अलोटमेंट आई डी - S1512130004

आवंटन पत्र दिनांक - 01-Dec-2015

HOD Name - Secretary, Urban Development (Grants) (9005)

1: लेखा शीर्षक	2217 - शहरी विकास	03 - छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास
	800 - अन्य व्यय	01 - केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योज
	09 - हरिद्वार अर्द्धकुम्भ मेला 2016 हेतु अवस्थापना सुविधा	

Plan Voted			
मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
20 - सहायक अनुदान/अंशदान/राज	477241000	20000000	497241000
	477241000	20000000	497241000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes - 20000000


(सचिव, शहरी विकास)
सचिव,
शहरी विकास विभाग,
राजधानी भवन, दिल्ली